पंजाब केसरी 01/05/2025

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'न्यूज राइटिंग' पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला

मीडिया आज के समय में विशाल और सशक्त उद्योग : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 30 अप्रैल (ब्यूरो): छावनी के गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग एवं मीडिया क्लब द्वारा 'न्यूज राइटिंग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने की, जबकि कार्यक्रम की संयोजिका जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग की प्राध्यापिका सुषमा शर्मा थीं। कार्यशाला में डा. रितु गुप्ता और प्रो. यशवी विशेष तौर पर उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि मीडिया आज के समय में एक विशाल और सशक्त उद्योग बन चुका है। ऐसे समय में विद्यार्थियों को इस क्षेत्र की गहराई को समझने और उसमें करियर बनाने के लिए इस प्रकार की कार्यशालाएं अत्यंत लाभकारी हैं।

कार्यक्रम की संयोजिका एवं जनसंचार विभाग की असिस्टैंट प्रोफेसर सुषमा शर्मा ने कहा कि आज लेखन एक अत्यधिक मांग वाला क्षेत्र बन चुका है। यदि विद्यार्थी कंटेंट राइटिंग या पत्रकारिता में जाना चाहते हैं तो उन्हें लेखन की मजबूत नींव की आवश्यकता होती है और यह कार्यशाला निश्चित

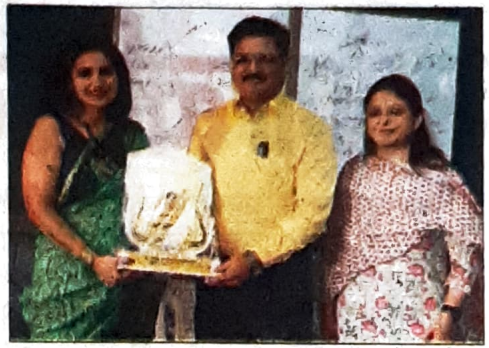

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में आयोजित कार्यशाला के दौरान रिसोर्सपर्सन को स्मृतिचिन्ह भेंट करतीं कार्यक्रम की संयोजिका एवं जनसंचार विभाग की प्राध्यापिका सुषमा शर्मा और डा. रितु गुप्ता।

रूप से उन्हें उस दिशा में आगे बढ़ने में सहायता करेगी। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रिंट मीडिया की कार्यप्रणाली, रिपोर्टिंग के एथिक्स और लेखन की व्यावहारिक शैली से अवगत कराना था तथा कार्यशाला इन उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रही।

कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति बलराम सैनी ने विद्यार्थियों को समाचार लेखन की बारीकियों से अवगत करवाते हुए बताया कि समाचार लेखन केवल सूचनाओं को प्रस्तुत करना नहीं है, बल्कि यह एक जिम्मेदारीपूर्ण कार्य है जिसमें निष्पक्षता, तथ्यों की सटीकता और भाषा की स्पष्टता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा पत्रकार वही है जो समाज की नब्ज को समझकर सच्चाई को बिना डर के सामने लाता है। उन्होंने छात्रों को प्रिंट मीडिया में करियर की संभावनाओं के बारे में बताया और समझाया कि समाचार लिखते समय शीर्षक, इंट्रो, तथ्यों की जांच, स्रोत की पुष्टि और पाठक की रुचि को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी इस क्षेत्र में ईमानदारी से मेहनत करें तो वे एक सफल पत्रकार बन सकते हैं। इस अवसर पर छात्रों ने प्रश्न भी पूछे और संवाद की प्रक्रिया से बहुत कुछ सीखा। धन्यवाद प्रस्ताव डा. रितु गुप्ता के द्वारा प्रेषित किया गया। विद्यार्थियों ने इसे एक शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक अनुभव बताया।